स्नातक प्रथम वर्ष — संस्कृत साहित्य पाठ्यक्रम 2017–18

प्रथम प्रश्न पत्र – नाटक, नीति/कथा–साहित्य, व्याकरण एवं अनुवाद

समय 3 घण्टे — पूर्णांक 100

नोट:– *10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित हैं।*

पाठ्यक्रम–

1. स्वप्नवासवदत्तम् – भास। **पूर्वार्द्ध** –1 से 4 अंक तक। **उत्तरार्द्ध** – 5 से 6 अंक तक। — 20 अंक
2. नीतिशतकम् – भर्तृहरि। **पूर्वार्द्ध** –1 से 50 श्लोक तक। **उत्तरार्द्ध** – 51 से अन्त तक। — 20 अंक
3. हितोपदेश (मित्रलाभ पर्यन्त) — 20 अंक
4. शब्दरूप, धातुरूप और कारक प्रयोग ज्ञान। — 15 अंक

शब्दरूप–

अजन्त – राम, विश्वपा, कवि, सुधी, भानु, स्वभू, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि।

हलन्त – वणिज्,, असृज्, श्रीमत्, सुहृद्, राजन्, विद्वस्, वाच्, स्रज्, सरित्, आपद्, सीमन्, आशिस्, गिर्, दिश्, अप्, जगत्, नामन्, मनस्, चक्षुष्।

संख्यावाची व सर्वनाम शब्द– एक, द्वि, त्रि, चतुर्, पंचन्। सर्व, एतद्, तद्, इदम्, अदस्, किम्, यत्, (त्रिषु लिंगेषु) अस्मद् तथा युष्मद्।

धातुरूप– निम्न दोनों प्रकार की धातुओं के लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्. व लृट् लकारों में रूप पूछे जायेंगे। — 15 अंक

परस्मैपदी – पठ् ,गम्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, दा, दिव्, तन्, तुद्, चुर्।

आत्मनेपदी – लभ् सेव्, एध् व वृत् ।

कारक ज्ञान आधारित वाक्यरचना। — 10 अंक

अंक–विभाजन

क्र.	पुस्तक	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न व अंक	अंकयोग (अ+ब)
1	स्वप्नवासवदत्तम्	03 X 02	06	श्लोक व्याख्या 2X4=08 + प्रश्न 1X6=6 (14)	06+14 =20
2	नीतिशतकम्	03 X 02	06	श्लोक व्याख्या 2X4=08 + प्रश्न 1X6=6 (14)	06+14 =20
3	हितोपदेश	03 X 02	06	श्लोक व्याख्या 2X4=08 + प्रश्न 1X6=6 (14)	06+14 =20
4	व्याकरण– शब्दरूप	03 X 02	06	अजन्त, हलन्त एवं संख्यावाची 03 शब्दों के पूरे रूप लेखितव्य 03X 02 = 06 01 सर्वनाम शब्द के सभी विभक्ति व तीनों लिंगों के पूरे रूप 01X03 =03	06+09 =15
	धातुरूप	03 X 02	06	03 धातुओं के सभी लकारों में रूप 3X3=(09)	06+09 =15
	कारक	– – –	–	हिन्दी से संस्कृतानुवाद 10में से 5= 2X5=10	10
कुल प्रश्न व अंक		**15 X 02**	**30**		**30+70 =100**

विशेष निर्देश –

भाग 'अ'

1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 02 अंक निर्धारित हैं।
2. उपर्युक्त तालिकानुसार प्रत्येक पुस्तक एवं उस पुस्तक के पाठ्यांशों से लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
3. शब्दरूपों में से किसी भी शब्द की किन्हीं 02 विभक्तियों के तीनों वचनों में रूप पूछे जायेगें।
4. धातुरूपों में से किसी भी धातु के किसी भी लकार में तीनों पुरुषों में रूप पूछे जायेगें।

भाग 'ब'

1. **"स्वप्नवासवदत्तम्"** पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध से क्रमशः दो–दो श्लोकों में से एक–एक चुनते हुए कुल 02 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है। — अंक–04X02=08

अकादमिक प्रभारी

एवं 02 समीक्षात्मक प्रश्नों में से 01 प्रश्न हल किया जाना अपेक्षित है। अंक–06X01=06

2. **"नीतिशतकम्"** से पूछे गये क्रमशः दो–दो श्लोकों में से एक–एक चुनते हुए कुल 02 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है। अंक–04X02=08

एवं पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध से दो टिप्पणी में से एक पर टिप्पणी लेखन अपेक्षित है। अंक–06X01=06

3. **"हितोपदेश –मित्रलाभ"** से 04 श्लोकों में से 02 की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है। अंक–04X02=08

एवं 02 समीक्षात्मक प्रश्नों में से 01 प्रश्न हल किया जाना अपेक्षित है। अंक–06X01=06

4. **"शब्दरूप"** –(अ)**अजन्त–** 02शब्दों में से 01 के सभी विभक्तियों के रूप लिखना अपेक्षित है। अंक–02

(ब) हलन्त– 02शब्दों में से 01 के सभी विभक्तियों के रूप लिखना अपेक्षित है। अंक–02

(स) संख्यावाची –02शब्दों में से 01 के सभी विभक्तियों व तीनों लिंगों के रूप अपेक्षित है।अंक–02

(द) सर्वनाम – 02शब्दों में से 01 के सभी विभक्तियों व तीनों लिंगों के रूप अपेक्षित है। अंक–03

"धातुरूप" – दोनों प्रकार की धातुओं में से 06 धातुओं के रूप पूछे जायेंगे जिनमें से प्रत्येक प्रकार से एक–एक धातु चुनते हुए कुल 03 धातुओं के सभी लकारों में रूप लिखना अपेक्षित है। अंक–3X3=09

"कारक"– हिन्दी के 10वाक्यों में से 5 का कारकज्ञान पर आधारित संस्कृतानुवाद करणीय है। अंक–2X5=10

– – x – –

सहायक पुस्तकें –

स्वप्नवासवदत्तम् –डॉ. एन.डी. शास्त्री।
स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी।
स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. विश्वनाथ शर्मा।
नीतिशतकम्– डॉ. विश्वनाथ शर्मा।
हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ.यशवन्त कुमार जोशी।
संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकांत मिश्र।
अनुवाद चंद्रिका – चक्रधर शर्मा, नौटियाल।
सरल–संस्कृत व्याकरण – श्री बाबूलाल मीना।
स्वप्नवासवदत्तम् – जगन्नारायण पाण्डेय।
नीतिशतकम्– डॉ. यशवन्त कुमार जोशी।
हितोपदेश (मित्रलाभ)– हिन्दी अनुवाद – रामेश्वर भट्ट।
लघु सिद्धान्तकौमुदी 'भैमीव्याख्या'– पं0 भीमसेन शास्त्री
लघु सिद्धान्त कौमुदी –डॉ. पुष्करदत्त शर्मा।
रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।

द्वितीय प्रश्न पत्र– भारतीय संस्कृति के तत्त्व, पद्य साहित्य एवं व्याकरण

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित हैं।

पाठ्यक्रम–

1. **भारतीय–संस्कृति के तत्त्व**–(पूर्वार्द्ध) पृष्ठ–भूमि, विशेषताएँ, पुरुषार्थचतुष्टय, वर्णाश्रम व्यवस्था, पंच महायज्ञ, त्रिविध ऋण। (उत्तरार्द्ध)–संस्कार, प्राचीन भारत के प्रमुख शिक्षा केन्द्र, भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान। **30 अंक**
2. **किरातार्जुनीयम्** (प्रथम सर्ग) **30 अंक**
3. **लघुसिद्धान्त कौमुदी**– संज्ञा एवं अच् सन्धि प्रकरण। हल् संधि एवं विसर्ग संधि प्रकरण। **40 अंक**

अंक–विभाजन

क्र.	पुस्तक का नाम	लघूत्तरा0 प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न व अंक	अंकयोग (अ+ब)
1	भारतीय–संस्कृति के तत्त्व	03X 02	06	प्रश्न 01X10=10+टिप्पणी 02X07=14(24)	06+24 =30
2	किरातार्जुनीयम्	04X 02	08	श्लोक 02X07=14+प्रश्न 01X8=08 **(22)**	08+22 =30
3	लघुसिद्धान्तकौमुदी–संज्ञा	02X 02	04	सूत्र व्याख्या 03X02 = 06 **(06)**	04+06 =10
	अच् सन्धि	02X 02	04	सूत्र 01X02=02+ शब्द 02X02=04 **(06)**	04+06 =10
	हल् सन्धि	02X 02	04	सूत्र 01X02=02 +शब्द 02X02=04 **(06)**	04+06 =10
	विसर्ग सन्धि	02X 02	04	सूत्र 01X02=02 +शब्द 02X02=04 **(06)**	04+06 =10
कुल प्रश्न व अंक		**15X 02**	**30**		**30+70=100**

अकादमिक प्रभारी

विशेष निर्देश –

भाग 'अ'

1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 02 अंक निर्धारित हैं।
2. उपर्युक्त तालिकानुसार प्रत्येक पुस्तक एवं उस पुस्तक के पाठ्यांशों से लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे (बहुविकल्पात्मक नहीं)।

भाग 'ब'

"भारतीय संस्कृति के तत्त्व" से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर **संस्कृत भाषा** में अपेक्षित है। अंक–10

"भारतीय संस्कृति के तत्त्व" में से 02 पूर्वार्द्ध से तथा 02 उत्तरार्द्ध से कुल 04 टिप्पणियों में से एक पूर्वार्द्ध से तथा एक उत्तरार्द्ध से कुल दो टिप्पणियों का उत्तर अपेक्षित है। अंक–7X2=14

"किरातार्जुनीयम्" में से पूछे गये चार श्लोकों में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है। अंक–7X2=14

एवं 02 समीक्षात्मक प्रश्नों में से 01 प्रश्न हल किया जाना अपेक्षित है। अंक–8X1=08

लघुसिद्धान्त कौमुदी– संज्ञा एवं अच् सन्धि से 08 सूत्रों में से 04 की सोदाहरण व्याख्या। अंक–4X2=08

04 पदों में से 02 पदों की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि। अंक–2X2=04

लघुसिद्धान्त कौमुदी– हल् एवं विसर्ग सन्धि से 04 सूत्रों में से 02 की सोदाहरण व्याख्या। अंक–2X2=04

08 पदों में से 04 पदों की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि। अंक–4X2=08

– – x – –

सहायक पुस्तकें –

भारतीय संस्कृति के मूल तत्व – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।
सरल–संस्कृत व्याकरण – श्री बाबूलाल मीना।
भारत की संस्कृति व साधना – डॉ. रामजी उपाध्याय।
संस्कृत–कवि–दर्शन – पं भोलाशंकर व्यास।
भारतीय संस्कृति के तत्व – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी।
लघुसिद्धान्तकौमुदी – प्रो. श्यामलाल शर्मा।
लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीधरानन्द शास्त्री।
स्नातक–संस्कृत–व्याकरण – श्री बाबूलाल मीना।
भारतीय संस्कृति – प. शिवदत्त ज्ञानी।
लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री।
भारतीय संस्कृति –डॉ. प्रीति प्रभा गोयल।
किरातार्जुनीयम् – डॉ. विश्वनाथ शर्मा।
लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. अर्कनाथ चौधरी।
किरातार्जुनीयम् – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।

म.स.सु. विश्वविद्यालय, भरतपुर
अकादमिक प्रभारी